अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART-5

(211) जो स्त्री के वशीभूत हैं — स्त्रैण
(212) वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया हो — वाग्दत्ता
(213) परंपरा से चली आ रही बात — अनुश्रुति
(214) खोज करने वाला — अन्वेषक
(215) सब कुछ खाने वाला — सर्वाहारी
(216) जो तुरंत कोई युक्ति सोच ले — प्रत्युत्पन्नमति
(217) जो केवल फल खाता है — फलाहारी
(218) जो साग सब्जी खाता है — शाकाहारी
(219) जो माँस खाता है — माँसाहारी
(220) अपने सहारे पर रहने वाला — स्वावलंबी
(221) किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला — जिगीषु
(222) जानने की इच्छा — जिज्ञासा
(223) जीने की इच्छा — जिजीविषा
(224) राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश — अध्यादेश
(225) समुद्र की आग — वड़वानल
(226) पेट की आग — जठराग्नि
(227) जंगल की आग — दावानल
(228) वह कवि जो तत्काल कविता करे — आशुकवि
(229) उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति — रिक्थ
(230) जो ईश्वर में विश्वास रखता हो — आस्तिक
(231) कम बोलने वाला — मितभाषी
(232) प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री — प्रियंवदा
(233) ज्यादा बोलने वाला — वाचाल
(234) जो सबको समान रूप से देखता हो — समदर्शी
(235) जो सब कुछ जानता हो — सर्वज्ञ
(236) जो बहुत जानता है — बहुज्ञ
(237) जो कम जानता है — अल्पज्ञ
(238) जिसके हृदय में ममता नहीं है — निर्मम

(239) जिस पर आक्रमण हो — आक्रांत
(240) जो सब कुछ जानता हो — मृत्युंजय
(241) जो मृत्यु को जीत ले — साक्षर
(242) जो पढ़ना-लिखना जानता हो — दिव्यचक्षु
(243) दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु मिश्रित वह पदार्थ जो देवताओं और भगवान को स्नान हेतु बनाया जाता है — पंचामृत
(244) ऐसा ग्रहण। जिसमें सूर्य पूरा ढक जाय - खग्रास (सूर्यग्रहण)
(245) प्रिय-वचन बोलने वाली स्त्री — मृदुभाषिणी
(246) मन की बात जानने वाला — मर्मज्ञ
(247) जिसे बुलाया न गया हो — अनाहूत
(248) पसीने से उत्पन्न होने वाला — स्वेदज
(249) पैर से मस्तक तक — आपादमस्तक
(250) जो देखने के योग्य हो — दर्शनीय
(251) अन्य से सम्बंध न रखने वाला — अनन्य
(252) कही हुई बात को बार-बार कहना — पुनरुक्ति
(253) समान रूप से ठण्डा और गरम — समशीतोष्ण
(254) जो छाती के बल गमन करता — उरग (साँप)
(255) किसी के पास रखी हुई दूसरे के वस्तु — धरोहर (अमानत)
(256) जिसमें युद्ध करने की इच्छा हो — युयुत्सु
(257) जिसका दमन किया गया हो — दमनीय